# सीएसआईआर–सीरी, पिलानी में एएनआरएफ–एमएएचए ई-मोबिलिटी समीक्षा बैठक का आयोजन

सीएसआईआर–केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी), पिलानी में 03 नवम्बर 2025 को अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (ANRF) के 'मिशन फॉर एडवांस्मेंट इन हाई-इम्पैक्ट एरियाज़ (MAHA)–इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) मिशन' के मिशन गवर्नेंस बोर्ड (MGB) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठतम मुख्य वैज्ञानिक डॉ सुचंदन पाल, पीएमई प्रमुख श्री प्रमोद तँवर सहित संस्थान में इस मिशन की प्रमुख डॉ निधि चतुर्वेदी एवं उनकी टीम के सदस्य उपस्थित थे। साथ ही मिशन गवनेन्स बोर्ड (MGB) के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार कल्यानारमन (CEO-ANRF) एवं सह-अध्यक्ष प्रोफेसर कार्तिक अथमनाथन तथा प्रोफेसर एस. ए. सुन्दरासन ने भी बैठक में प्रतिभागिता की।

यह महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मिशन उच्च प्रभावकारी, ऊर्जा-दक्ष और आत्मनिर्भर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तकनीकों के अनुसंधान एवं विकास को सहयोगात्मक ढंग से बढ़ावा देने के लिए संचालित किया जा रहा है। मिशन के तीन प्रमुख तकनीकी वर्टिकल हैं– (क) ट्रॉपिकल ईवी बैटरी एवं बैटरी सेल, (ख) पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन एंड ड्राइव्स (PEMD) तथा (ग) ईवी चार्जिंग अवसंरचना। यह मिशन बहु-संस्थागत कॉन्सोर्शियम मॉडल पर आधारित है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर 7 'ई-नोड' (Excellence Nodes) चयनित किए गए हैं। सीएसआईआर–सीरी, पिलानी उन 7 ई-नोड्स में से एक है, जिसे पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन एवं ड्राइव्स (PEMD) वर्टिकल में नेतृत्व का दायित्व सौंपा गया है।

बैठक का शुभारंभ संस्थान में MAHA–EV मिशन की लीड प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर (LPI) डॉ.-इंजी. निधि चतुर्वेदी के स्वागत संबोधन से हुआ। तत्पश्चात, वरिष्ठतम मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुचंदन पाल, ने प्रारंभिक उद्बोधन देते हुए मिशन की पृष्ठभूमि एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

तत्पश्चात एमजीबी के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार कल्यानारमन एवं सह-अध्यक्ष प्रोफेसर कार्तिक अथमनाथन तथा प्रो. एस. ए. सुन्दरासन ने समीक्षा संबोधन दिया। उन्होंने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अनुसंधान को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने, तकनीकी, आर्थिक एवं औद्योगिक मानकों के बेहतर संरेखण तथा मिशन के सामाजिक प्रभाव को अधिकतम करने पर विशेष बल दिया।

समीक्षा बैठक में संस्थान के वैज्ञानिकों की टीम के साथ गहन विचार-विमर्श करते हुए एमजीबी के अधिकारीगण

परस्पर चर्चा के दौरान गवर्नेंस बोर्ड ने परियोजना को उद्योग की आवश्यकताओं एवं राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाने, स्वदेशीकरण को प्रोत्साहित करने, विदेशी मुद्रा की बचत, रोज़गार सृजन तथा देश में बौद्धिक संपदा निर्माण को बढ़ावा देने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किए।

**एमओयू/एनडीए का आदान-प्रदान**

MAHA–EV मिशन के अंतर्गत उद्योग भागीदारों एवं सीएसआईआर–सीरी के श्री प्रमोद तँवर, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमई ने अप्रकटीकरण समझौते (NDA) का आदान-प्रदान हुआ। यह इस मिशन में उद्योग-अनुसंधान सहयोग के एक नए चरण का संकेत है।

एनडीए का आदान-प्रदानकरते अधिकारीगण

**तकनीकी प्रस्तुतीकरण**

इस अवसर पर मिशन टीम द्वारा WBG (Wide Bandgap) आधारित पावर डिवाइस एवं तकनीक, ईवी इन्वर्टर एवं ड्राइव्स, डीसी–डीसी कन्वर्टर, ऑन–बोर्ड/ऑफ–बोर्ड चार्जर्स, सप्लाई चेन, वैश्विक–तकनीकी–आर्थिक बेंचमार्क आदि विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण भी दिए गए।

चर्चा के उपरांत संस्थान की अनुसंधान टीम के साथ

MAHA–EV मिशन टीम में सीएसआईआर–सीरी से डॉ.-इंजी. निधि चतुर्वेदी, श्री अनिल कुमार सैनी, श्री अजीत कुमार धाकड़, डॉ. सुमित्रा सिह, श्री बृजेन्द्र कुमार वर्मा, श्री सुभाष कुमार राम, डॉ. एस.के. मसिउल इस्लाम; आईआईटी-बॉम्बे से डॉ. दिपांकर साहा; आईआईटी-रुड़की से डॉ. सतीश बेलखोड़े एवं डॉ. शिवा कुमार पाल्लो; तथा आईआईटी मंडी से डॉ. मौमिता दास एवं डॉ. सार्थक नाग सम्मिलित हैं।

बैठक के अंत में मिशन गवर्नेंस बोर्ड ने मिशन की गतिविधियों की रणनीति, प्रभावी क्रियान्वयन एवं सामाजिक प्रभाव को सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। यह समीक्षा बैठक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति तथा स्वदेशी तकनीक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

---